S.L .Raheja Hospital, Mahim, Mumbai :

Nav Bharat Times, April 25, 2014, Edition : Mumbai; Size : 96 sq.cm.; Page : 3

हॉस्पिटल से डायरेक्ट पोलिंग बूथ

■ दीपिका शर्मा, मुंबई

- अस्पताल में ऐडमिट पेशंट ने परमिशन मांग कर दिया वोट
- दूसरे ने कैंसल कराई हार्ट सर्जरी, कई को नहीं मिली इजाजत

गुरुवार को मुंबई ने जमकर अपने मताअधिकार का इस्तेमाल किया। लाखों वोटर की भीड़ में कुछ ऐसे वोटर भी थे जो अस्पताल से उठकर वोट देने की अपनी नैतिक जिम्मेदारी पूरी करने पहुंचे। पिछले 6 दिनों से अस्पताल में ऐडमिट मनोज जैन ने अस्पताल प्रशासन से स्पेशल परमिशन लेकर अस्पताल से निकलकर किया वोट। वहीं दूसरी तरफ बीएमसी के केईएम और कूपर अस्पताल में भी पेशंट ने बाहर जाकर वोट देने की परमिशन मांगी।

वोट देना मेरी जिम्मेदारी है

माहिम के फोर्टिस रहेजा अस्पताल में ऐडमिट 45 वर्षीय मनोज जैन पिछले 6 महीनों से बेहद रक्त से जुड़ी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और उसका ट्रीटमेंट ले रहे हैं। 6 दिन पहले अस्पताल में ऐडमिट हुए मनोज ने आज अस्पताल प्रशासन से परमिशन लेकर शिवाजी पार्क स्थित पोलिंग बूथ पर अपना वोट दिया। मनोज का कहना है कि मैं इस देश का नागरिक हूं और वोट देना मेरा अधिकार है।

आगे बढ़ाई ऑपरेशन की डेट

वहीं जोगेश्वरी के रहने वाले मोहम्मद अब्दुल खादिब ने इलेक्शन में वोट डालने के लिए अपनी हार्ट की सर्जरी ही आगे बढ़वा दी। लीलावती अस्पताल के कंसल्टैंट कार्डियाक सर्जन, डॉ. पवन कुमार ने बताया कि अब्दुल खादिब की हार्ट की सर्जरी शुक्रवार को होनी थी और उन्हें गुरुवार को अस्पताल में ऐडमिट होना था। लेकिन वोटिंग देने के लिए उन्होंने अपनी सर्जरी आगे बढ़वाई और अब उनका ऑपरेशन सोमवार को होगा।

इच्छा तो थी पर नहीं मिली इजाजत

केईएम अस्पताल के फीमेल वार्ड में ऐडमिट एक महिला भी गुरूवार को वोट देना चाहती थी। केईएम की डीन, डॉ. शुभांगी पारकर ने बताया कि उनके एक रिश्तेदार हमारे पास आए थे कि वह महिला वोट डालने जाना चाहती है। लेकिन उनकी मेडिकल कंडीशन इस तरह की नहीं थी कि उन्हें वोट देने के लिए अस्पताल से बाहर भेजा जाए। हमारे लिए पेशंट की हालत ज्यादा जरूरी है और उसी आधार पर हमने इजाजत नहीं दी। वहीं कूपर अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विभाग में ऐडमिट साजिद अलि शेख भी अस्पताल प्रशासन से इजाजत लेकर वोट देने जाना चाहते थे। एक सीनियर डॉक्टर ने बताया कि उनकी मेडिकल कंडीशन को देखते हुए हम इजाजत नहीं दे सकते थे।

अस्पताल से निकलकर वोट देकर आए मनोज जैन